



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३०]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी २२, १९७७/साघ २, १८९८

No. 30]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1977/MAGHA 2, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 22nd January 1977

S.O. 39(E)/18FB/IDRA/77.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 613(E)/18FA/IDRA/76, dated the 15th September, 1976, the management of two industrial undertakings owned by Messrs Bengal Potteries Limited, Calcutta and situated at 45, Tangra Road and 3, Pagladanga Road, Calcutta, have been taken over under sub-section (2) of section 18FA, read with section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years upto and inclusive of the 14th September, 1981,

And, whereas, the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertakings, it is necessary so to do in the interest of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, ceramics industry,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clauses (a) and (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that—

(a) the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) shall apply to the said industrial undertakings with the following adaptations, namely:—

section 9A Chapters VA and VB and section 33C shall be omitted;

- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertakings are parties, or the company owning such industrial undertakings is a party or which may be applicable to the industrial undertakings or the company, as the case may be, and all or any of the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended.

2. This Order shall remain in force for a period of one year with effect on and from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F. 2(19)/73-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)]

आदेश

नई दिल्ली, 22 फरवरी 1977

का० भा० 29(अ)/18 चख/आई डी आर ए/77.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० भा० 613 (असा०) / 18 चख / 18कक उ० वि० वि० अ०/76, तारीख 15 सितम्बर, 1976 द्वारा मैसर्स बंगाल पाटरीज लिमिटेड, कलकत्ता के दो औद्योगिक उपक्रमों का, जो 45, तांघरा मार्ग और 3, पमलदंगा मार्ग, कलकत्ता में स्थित हैं, प्रबंध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक के साथ पठित धारा 18 चख की उपधारा (2) के अधीन 14 सितम्बर, 1981 तक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, अर्थात् पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया है।

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि अनुसूचित उद्योग, अर्थात् चीनी मिट्टी (सिरेमिक्स) उद्योग के उत्पादन की मात्रा में मिराबट को रोकने की दृष्टि से साधारण जनता के हित में उक्त औद्योगिक उपक्रम के संबंध में, ऐसा करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18 चख की उपधारा (1) के खण्ड (क) और (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा करती है कि —

(क) औद्योगिक विधाय अधिनियम, 1947 (1947 का 14) उक्त औद्योगिक उपक्रमों को, निम्नलिखित अनुकूलनों सहित, लागू होगा, अर्थात्:—

धारा 9क, अध्याय 5क और 5ख तथा धारा 33 ब का लोप किया जाएगा ;

(ख) राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी सविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पचाड़ों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) जिसका उक्त औद्योगिक उपक्रम पक्षकार है, या ऐसे औद्योगिक उपक्रमों को स्वामी कम्पनी एक पक्षकार है, या जो यथास्थिति, औद्योगिक उपक्रमों या कम्पनी को लागू

हों, प्रवर्तन और उक्त तारीख के पूर्व तद्घोन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी या कोई अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यतायें और दायित्व निलंबित रहेंगे।

2. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को और उससे एक वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त रहेगा।

[सं० का० 2(19)/75-सी यू सी]

ए० के० घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

